



E-Gyan

Monthly Digital News Letter of Maharishi Organizations - India
महर्षि संस्थान भारत का मासिक सूचना पत्र

महर्षि संवत्सर - ५५

विक्रम संवत्सर - २०६७ भाद्रपद कृष्ण पक्ष १४, मंगलवार, ७ सितम्बर २०१०

E-mail - egyan@mahaemail.com and egyanmonthly@gmail.com • Web site - www.e-gyan.net 7 September 2010, Tuesday



His Holiness
Maharishi Mahesh Yogi

महर्षि शिक्षा संस्थान

वैदिक शिक्षा अक्षय निधि

(Maharishi Shiksha Sansthan -
Vedic Education Endowment Fund)

परिचय

परम पूज्य महर्षि जी के दैवीय निर्देशन और आशीर्वाद से १९९२ में महर्षि शिक्षा संस्थान की स्थापना हुई। महर्षि शिक्षा संस्थान राष्ट्रीय स्तर का एक पंजीकृत शैक्षणिक व धर्मार्थ संस्थान है। वर्तमान में महर्षि शिक्षा संस्थान १६ प्रान्तों में १५० महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालयों, महर्षि इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की ५ शाखाओं एवम् महर्षि महाविद्यालय की ६ शाखाओं का संचालन करता है। महर्षि शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ में स्थापित महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नालॉजी का प्रायोजित निकाय भी है। महर्षि शिक्षा संस्थान के सभी शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान में १००,००० से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं तथा लगभग ६००० शैक्षणिक व प्रशासनिक कार्यकर्ता हैं।

महर्षि शिक्षा संस्थान आधुनिक शिक्षा के विद्यार्थियों को महर्षि वेद विज्ञान की शिक्षा तो देता ही है, साथ-साथ विशुद्ध रूप से वैदिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी प्रायोजित करता है जिससे वे साधनामय वैदिक दिनचर्या का पालन करते हुए वैदिक वांगमय का विधिवत् अध्ययन गुरु-शिष्य प्रणाली में कर सकें।



महर्षि वैदिक विशेषज्ञ

वैदिक शिक्षा एवं चेतना का विकास

सामान्य विद्यालय तथा विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ महर्षि शिक्षा संस्थान ने अपने सभी विद्यार्थियों और कार्यकर्ताओं के लिये वैदिक शिक्षा का प्रबन्ध भी किया है। वेद का अर्थ है-पूर्ण ज्ञान। महर्षि जी ने वैदिक गुरु परम्परा तथा गुरुदेव श्री ब्रह्मानन्द सरस्वती जी से प्राप्त ज्ञान और आशीष के प्रकाश में वेद के अपौरुषेय भाष्य का उपहार समस्त विश्व जनमानस को दिया।

जीवन के मूल और जीवन का संचालन करने वाले अहम् तत्व-चेतना को जाग्रत करने के लिये सरल, सहज, प्राकृतिक और प्रयासरहित भावातीत ध्यान की तकनीक प्रदान करके महर्षि जी ने धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रदर्शित किया। महर्षि जी के सभी शैक्षणिक संस्थानों में कार्यकर्ताओं तथा विद्यार्थियों के लिये महर्षि वेद-विज्ञान की सैद्धांतिक शिक्षा तथा उनके प्रयोग अनिवार्य हैं। प्रत्येक विद्यार्थी चाहे वह किसी भी कक्षा या पाठ्यक्रम में अध्ययनरत हो, महर्षि वेद विज्ञान के ४० क्षेत्रों (१. ऋग्वेद २. सामवेद ३. यजुर्वेद ४. अथर्ववेद ५. शिक्षा ६. कल्प ७. व्याकरण ८. निरुक्त ९. छन्द १०. ज्योतिष ११. न्याय १२. वैशेषिक १३. सांख्य १४. योग १५. कर्ममीमांसा १६. वेदांत १७. गन्धर्ववेद १८. धनुर्वेद १९. स्थापत्यवेद २०. हारीत संहिता २१. भेलसंहिता २२. काश्यप संहिता २३. चरक संहिता २४. सुश्रुत संहिता २५. वाग्भट्ट संहिता २६. माधवनिदान संहिता २७. शारंगधर संहिता २८. भावप्रकाश संहिता २९. उपनिषद् ३०. आरण्यक ३१. ब्राह्मण ३२. इतिहास ३३. पुराण ३४. स्मृति ३५. ऋग्वेद प्रातिशाख्य ३६. शुक्ल यजुर्वेद प्रातिशाख्य ३७. कृष्ण यजुर्वेद प्रातिशाख्य (तैत्तिरीय) ३८. सामवेद प्रातिशाख्य (पुष्प सूत्रम्) ३९. अथर्ववेद प्रातिशाख्य ४०. अथर्ववेद प्रातिशाख्य (चतुराध्यायी)) का विस्तृत ज्ञान प्राप्त करता है और प्रतिदिन प्रातः संध्या भावातीत ध्यान तथा सिद्धि सूत्रों का अभ्यास करके अपनी चेतना में सम्पूर्ण वैदिक वांगमय को जगाता है। यही कारण है कि महर्षि शिक्षा संस्थान में अध्ययन किये हुए विद्यार्थी पूर्ण ज्ञानी, ओजस्वी, तेजस्वी, सर्वसमर्थ चेतनावान्, आत्म निर्भर, सफल और आनन्दमय जीवन शैली वाले होते हैं।

८००० वैदिक विशेषज्ञों के समूह की स्थापना

भारतीय वैदिक शाश्वत् पारम्परिक ज्ञान और विश्व के ३५ देशों में २१५ विश्वविद्यालयों तथा स्वतंत्र शोध संस्थानों में किये गये ६०० से अधिक वैज्ञानिक अनुसंधानों के निष्कर्षों के आधार पर महर्षि जी ने भारतवर्ष के भौगोलिक केन्द्र-भारत के ब्रह्मस्थान में ८००० वैदिक विशेषज्ञों के स्थायी समूह की स्थापना का संकल्प लिया। ८००० संख्या विश्व की जनसंख्या के १ प्रतिशत के वर्गमूल के बराबर है। यह संख्या भौतिक शास्त्र की “क्वान्टम थ्योरी” के आधार पर निकाली गई है। वैज्ञानिक अनुसंधानों से यह लगातार प्रमाणित हुआ है कि यदि ८००० वैदिक विशेषज्ञ नित्य भावातीत ध्यान, सिद्धि सूत्रों और यौगिक उड़ान का अभ्यास किसी एक स्थान पर रहकर करें तो इस कलिकाल में भी पृथ्वी पर सतयुग का वातावरण निर्मित होगा। नकारात्मक प्रवृत्तियों का शमन होगा, सकारात्मक प्रवृत्तियों का उदय होगा। अपराध, दुर्घटनायें, रोगादि में कमी आयेगी। व्यक्तियों, समुदायों, राष्ट्रों में सौहार्द, परस्पर सहयोग और सामन्जस्य में वृद्धि होगी। आतंकवाद, युद्ध जैसी भयावह व उद्दण्ड प्रवृत्तियाँ शान्त होंगी, सम्पन्नता व समृद्धि हर स्तर पर होगी, समस्त राष्ट्रों के बीच एकत्व भाव होगा, स्थायी विश्व शान्ति की स्थाना होगी और विश्व परिवार का प्रत्येक व्यक्ति तथा राष्ट्र अजेय होगा।

८००० वैदिक विशेषज्ञ नित्य त्रिकाल संध्या करेंगे, प्रातः संध्या दो-दो घण्टे महर्षि प्रणीत भावातीत ध्यान, सिद्धि कार्यक्रम तथा यौगिक उड़ान का अभ्यास करेंगे। मध्याह्न से पूर्व वैदिक विशेषज्ञ समस्त विश्व के व्यक्तियों तथा राष्ट्रों के सामूहिक सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, सफलता, शांति और अजेयता के लिये ग्रहों की शांति और देवताओं के यज्ञानुष्ठान करेंगे। अपराह्न काल में ये वैदिक विशेषज्ञ ज्ञान-विज्ञान का विस्तृत अध्ययन, अभ्यास व उसके प्रयोगों पर अनुसन्धान करेंगे। इस श्रेष्ठतम् वैदिक दिनचर्या के पालन से विश्व की सामूहिक चेतना में सतोगुण का प्रभाव दिन-प्रतिदिन घना होगा। सतोगुणी प्रवृत्तियों के प्रभाव में रजोगुणी और तमोगुणी प्रवृत्तियाँ स्वयं ही न्यूनता को प्राप्त होंगी।

८००० वैदिक विशेषज्ञों के समूह के लिए आवासीय परिसर

८००० वैदिक विशेषज्ञों की स्थापना एक अत्यन्त विशाल कार्य योजना है। भारत के ब्रह्मस्थान में ८००० वैदिकों के आवासीय परिसर के लिये पर्याप्त भूमि का प्रबन्ध हो चुका है। २२०० वैदिकों के लिये आवासीय परिसर का निर्माण हो चुका है। शेष ५८०० के लिये १४० भवन निर्माणाधीन हैं। वर्तमान में लगभग १५०० वैदिक विशेषज्ञ भारत के ब्रह्मस्थान में आ चुके हैं और लगभग ३५०० वैदिक विद्यापीठों की अन्य शाखाओं में प्रशिक्षणरत हैं। जैसे जैसे ब्रह्मस्थान में निर्माण होता जायेगा, आवासीय व्यवस्था होती जायेगी, वैसे वैसे वैदिक विशेषज्ञ प्रशिक्षण केन्द्रों से ब्रह्मस्थान आते जायेंगे।

८००० वैदिक विशेषज्ञों के समूह के लिए वित्तीय व्यवस्था

भारत के ब्रह्मस्थान में समूह की स्थापना के लिये लगभग ४०० करोड़ की राशि नियत की गई थी। इस राशि में भूमि का मूल्य, आवासीय कक्ष, शैक्षणिक कक्ष, साधना भवन, यज्ञ मण्डप, पाक शाला, भण्डार घर, चिकित्सालय, कार्यकर्ता आवास, आचार्य आवास, गौशाला, सड़क निर्माण, विद्युत केन्द्र एवम् जल प्रवाह आदि का निर्माण सम्मिलित है। अब तक लगभग ११० करोड़ रुपये खर्च किये जा चुके हैं। अधूरे निर्माण कार्य को पूर्ण करने के लिये २९० करोड़ रुपये की आवश्यकता है।

प्रत्येक वैदिक विशेषज्ञ के भोजन, आवास, वस्त्र, चिकित्सा, अग्रिम शिक्षा, दक्षिणा, यज्ञानुष्ठान सामग्री भवन रख रखाव, कार्यकर्ताओं तथा आचार्यों की दक्षिणा, भूमि सम्बन्धी कर आदि के लिये रुपये १०,०००/- प्रतिमाह (रुपये १,२०,०००/- प्रतिवर्ष) का व्यय होता है। प्रशिक्षणार्थी वैदिकों पर यह व्यय रुपये ५०००/- प्रतिमाह (रुपये ६०,०००/- प्रतिवर्ष) होता है।

१४ वर्ष की आयु तक प्रशिक्षणार्थी अपने माता पिता के साथ घर में रहकर स्थानीय गुरुजी से प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त करते हैं। १४ से १५ वर्ष की आयु वाले प्रशिक्षणार्थियों का विद्यापीठ के एक परिसर में प्रवेश होता है और लगभग ७ से ८ वर्ष के प्रशिक्षणोपरान्त वे योग्य विशेषज्ञ बन पाते हैं। संस्थान के लम्बे अनुभव के अनुसार २५-३० वर्ष की आयु होते होते ये विशेषज्ञ गृहस्थ जीवन में प्रवेश कर अपने स्वयं के परिवार के साथ रहने को प्राथमिकता देने लगते हैं। इस स्थिति में यह अति आवश्यक है कि लगभग ८००० विद्यार्थियों का प्रशिक्षण सदा होता रहे और आवश्यकता होने पर इन्हें विशेषज्ञों के समूह में सम्मिलित कर लिया जाये।

वर्तमान में ८००० वैदिक विशेषज्ञों के स्थायी समूह की स्थायी स्थापना, ८००० विद्यार्थियों के प्रशिक्षण समूह तथा इनके लिये किये जाने वाले निर्माण कार्य के लिये धनराशि की आवश्यकता

- ५८०० वैदिकों के आवासीय परिसर का निर्माण पूर्ण करने के लिये रुपये २९० करोड़ (एक बार)
- ८००० वैदिक विशेषज्ञों के लिये (रुपये १,२०,००० प्रति विशेषज्ञ प्रतिवर्ष) रुपये ९६ करोड़ प्रतिवर्ष
- प्रशिक्षणार्थी वैदिकों के लिये (रुपये ६०,००० प्रति प्रशिक्षणार्थी प्रतिवर्ष रुपये ४८ करोड़ प्रतिवर्ष)

महर्षि शिक्षा संस्थान ने **महर्षि शिक्षा संस्थान-वैदिक शिक्षा अक्षय निधि (Maharishi Shiksha Sansthan- Vedic Education Endowment Fund)** की स्थापना की है। इस अक्षय निधि में दान स्वरूप प्राप्त राशि रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया में ८ प्रतिशत (वर्तमान ब्याज दर) पर सुरक्षित निवेश की जायेगी और इस ब्याज की राशि से वैदिक विशेषज्ञों अथवा प्रशिक्षणार्थियों के समूह को प्रायोजित किया जायेगा।

वैदिक विशेषज्ञों के इस समूह के माध्यम से भारतीय संस्कृति का संरक्षण व संवर्धन, वेद-विज्ञान की शिक्षा व्यवस्था,

वर्तमान विश्व परिवार और आगे आने वाली समस्त पीढ़ियों के हित में विश्व शांति की स्थापना के महर्षि संकल्प और कार्यक्रमों में विश्वास, श्रद्धा और रुचि रखने वाले समस्त शुभचिंतकों का आवाहन है कि वे इस महायज्ञ में यथा सामर्थ्य अपना योगदान प्रदान करें।

- रु. १५,००,००० (पन्द्रह लाख) का आर्थिक योगदान एक वैदिक विशेषज्ञ को सदा के लिये प्रायोजित करेगा।
- रु. ७,५०,०००/- (साढ़े सात लाख) का आर्थिक योगदान एक वैदिक प्रशिक्षणार्थी को सदा के लिये प्रयोजित करेगा।
- रु. १,२०,०००/- (एक लाख बीस हजार) का आर्थिक योगदान एक वैदिक विशेषज्ञ को एक वर्ष के लिये प्रायोजित करेगा।
- रु. ६०,०००/- (साठ हजार) का आर्थिक योगदान एक वैदिक प्रशिक्षणार्थी को एक वर्ष के लिये प्रायोजित करेगा।
- रु. ५,००,०००/- (पाँच लाख) आर्थिक योगदान एक वैदिक विशेषज्ञ के आवासीय परिसर के निर्माण को प्रायोजित करेगा।

उपरोक्त में से किसी भी एक राशि अथवा सामर्थ्यानुसार कोई भी राशि **महर्षि शिक्षा संस्थान-वैदिक शिक्षा अक्षय निधि (Maharishi Shiksha Sansthan-Vedic Education Endowment Fund)** के नाम एकाउण्ट पेयी चेक अथवा ड्राफ्ट के द्वारा दान-प्रपत्र को पूर्ण करके चैक/ड्राफ्ट के साथ संलग्न करके निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

महर्षि शिक्षा संस्थान आयकर अधिनियम की धारा ८० (जी) में पंजीकृत है। दानकर्ताओं को इस आयकर अधिनियम की इस धारा के प्रावधानों के अन्तर्गत कर में छूट प्राप्त होगी।

महर्षि शिक्षा संस्थान-वैदिक शिक्षा विभाग

एम.सी.ई.ई. परिसर, भवन क्रमांक ५
लाम्बाखेड़ा, बैरसिया मार्ग, भोपाल, मध्य प्रदेश, पिन: ४६२ ०१८
दूरभाष: +91.755.4087300 (प्रातः १०:३० से सायं ४:३० तक)
E-mail: peace@mahaemail.com



भारत का भौगोलिक केन्द्र-भारत का ब्रह्मस्थान, करौंदी, जिला-कटनी (म.प्र.)



महर्षि महेश योगी जी

महर्षि शिक्षा संस्थान

वैदिक शिक्षा अक्षय निधि

(Maharishi Shiksha Sansthan - Vedic Education Endowment Fund)

केवल भारतीय नागरिकों के लिये
Only for Indian Citizens

दान पत्र (Donation Letter)

- कृपया स्पष्ट अक्षरों में गहरी नीली स्याही से यह पत्र भरें।

Please fill in the form in capital letters with dark blue ink only.

1. पूरा नाम (स्पष्ट अक्षरों में) :
Full Name
2. जन्मतिथि :
Date of Birth
3. पिता/पति का नाम :
Father's/Husband's Name
4. स्थाई पता :
Permanent address
5. वर्तमान पता Present Address :
- दूरभाष आवास कार्यालय मोबाइल
Phone Home Office Mobile
ई-मेल E-mail
6. पैन कार्ड क्रमांक : निर्गत तिथि.....
Pan Card No. Date of Issue
या
7. वोटर आई डी विवरण :
Voter ID details
या
8. पासपोर्ट विवरण : निर्गत तिथि..... वैधता.....
Passport Detail Date of Issue..... Validity
पासपोर्ट क्रमांक..... निर्गत अधिकारी.....
Passport Number..... Issuing Officer

नोट: कृपया अपने स्वयं के हस्ताक्षर युक्त पेन कार्ड अथवा वोटर आई.डी. कार्ड अथवा पासपोर्ट की फोटो कॉपी संलग्न करें।

Note: Please enclose self attested Photocopy of PAN CARD or VOTER ID or Passport

सत्यापन
VERIFICATION

मेरे संज्ञान और विश्वास में मेरे द्वारा प्रदत्त उपरोक्त सभी सूचनाएँ पूर्णतः सत्य हैं। यदि किसी भी समय महर्षि शिक्षा संस्थान को यह ज्ञात हो कि मेरे द्वारा प्रदत्त कोई भी सूचना असत्य है अथवा गुमराह करने वाली है तो मुझसे सम्पर्क किया जा सकता है और मैं इसका उत्तरदायित्व लेते हुए सच्ची सूचना उपलब्ध कराऊंगा/कराऊंगी।

All above information submitted by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If at any time Maharishi Shiksha Sansthan finds that any of information provided by me is not correct or misleading, I can be contacted, I will take responsibility and I will make available correct information.

घोषणा
DECLARATION

मैंने महर्षि शिक्षा संस्थान-वैदिक शिक्षा अक्षय निधि के विषय में विस्तार से समझ लिया है और मैं इसके सिद्धांतों से पूर्णतः सहमत हूँ व इसमें योगदान देना चाहता हूँ। मैं यह योगदान राशि अपनी स्वेच्छा से महर्षि शिक्षा संस्थान-वैदिक शिक्षा अक्षय निधि में दान स्वरूप (कारपस के लिए) दे रहा हूँ और इस दान हेतु मैं सक्षम हूँ।

I have understood Maharishi Shiksha Sanstha-Vedic Education Endowment Fund principles in details and fully agree and support the fund. I am donating to Maharishi Shiksha Santshan-Vedic Education Endowment Fund as donation towards corpus and I am capable to do so.

डिमाण्ड ड्रॉफ्ट/चेक संख्या Demand Draft/Cheque No.

बैंक का नाम Name of Bank.....

तिथि Date: खाता संख्या Account No. :

दानकर्ता के हस्ताक्षर Donor's Signature.....

महर्षि शिक्षा संस्थान-वैदिक शिक्षा विभाग

एम.सी.ई.ई. परिसर, भवन क्रमांक ५ लाम्बाखेड़ा, बैरसिया मार्ग, भोपाल, मध्य प्रदेश, पिन: ४६२ ०१८ भारत

MCEE Campus, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal (M.P.) 462 018 INDIA

दूरभाष: +91.755.4087300 (प्रातः १०:३० से सायं ४:३० तक)

E-mail: peace@mahaemail.com

जन्म दिवस समारोह

आदरणीय ब्रह्मचारी गिरीश जी (डॉ. गिरीश चन्द्र वर्मा, अध्यक्ष – राष्ट्रीय निदेशक मण्डल, महर्षि विद्या मंदिर समूह, कुलाधिपति – महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय एवं महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नॉलॉजी तथा महानिदेशक – महर्षि विश्व शांति राष्ट्र की राजधानी, ब्रह्मस्थान) का पचासवाँ जन्म दिवस समारोह 25 अगस्त 2010 को महर्षि विद्या मंदिर के राष्ट्रीय कार्यालय, महर्षि सेन्टर फॉर एजुकेशनल एक्सीलेंस परिसर, भोपाल में एक भव्य समारोह के रूप में मनाया गया। जिसमें भारत के विभिन्न प्रान्तों से विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया।



समारोह में महर्षि विश्व शान्ति राष्ट्र के रक्षा मंत्री मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) कुलवन्त सिंह, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश के कुलपति, प्रोफेसर भुवनेश शर्मा, महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नॉलॉजी के कुलपति बिप्रेडियर (सेवानिवृत्त) बलराम सिंह मेहता, महर्षि शिक्षा संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ. प्रकाश जोशी, महर्षि इन्सटीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भोपाल के निदेशक ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) सुरेन्द्र सिंह अहलावत, महर्षि विद्या मन्दिर समूह भारत के वित्त निदेशक श्री बहादुर मल जैन, निदेशक कार्मिक एवं प्रशासन ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) गोपाल सिंह संधू, शिक्षा निदेशक श्री चन्द्र देव शर्मा, एकेडमिक एण्ड ट्रेनिंग निदेशक श्री मोहर सिंह सोलंकी, संचार एवं जनसम्पर्क निदेशक डॉ. ताराचन्द्र पाठक, श्री अरविन्द सिंह राजपूत, कुलसचिव, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश सहित अनेक विशिष्ट लोगों एवं भारतवर्ष में संचालित महर्षि संस्थान के अन्य पदाधिकारियों एवं महर्षि विद्या मन्दिर समूह के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।



अपने जन्म दिवस के अवसर पर, महर्षि शिक्षा संस्थान-वैदिक शिक्षा अक्षय निधि (Maharishi Shiksha Sansthan - Vedic Education Endowment Fund) की स्थापना की घोषणा करते हुए ब्रह्मचारी गिरीश जी ने कहा कि – “वैदिक विशेषज्ञों के समूह के माध्यम से भारतीय संस्कृति का संरक्षण व संवर्धन, वेद-विज्ञान की शिक्षा व्यवस्था, वर्तमान विश्व परिवार और आगे आने वाली समस्त पीढ़ियों के हित में स्थायी विश्व शांति की स्थापना के महर्षि के संकल्प और कार्यक्रमों को संचालित कर पूरा करने के लिये हम वैदिक शिक्षा अक्षय निधि की स्थापना कर रहे हैं।” इस अवसर पर महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर भुवनेश शर्मा एवं विश्वविद्यालय के अन्य प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा विश्वविद्यालय की ओर से “अभिनन्दन पत्र” भेंट किया गया।

महर्षि विश्व शान्ति राष्ट्र के रक्षा मंत्री मेजर जनरल कुलवन्त सिंह ने ब्रह्मचारी गिरीश जी के 50 वें जन्म दिवस पर 50 किलों का केक काट कर उन्हें “विश्व शान्ति के राष्ट्र दूत” के रूप में सम्मानित किया।

इस अवसर पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया।



INVINCIBLE AMERICA ASSEMBLY

Fourth Anniversary of the Invincible America Assembly, July 23, 2010 Large Group Meditations Produce Dramatic Decrease in Violent Crime, Rise in “Peacefulness,” as Predicted Murder Rates Inexplicably at 40-Year Low in Many U.S. Cities

“We predict that America will rise to become a true powerhouse of peace when the number of group meditation experts in Iowa rises from its current average of 1850 to the desired level of 2500, which is predicted to cause a more profound and comprehensive shift in these positive trends away from violence towards peace.” Dr. John Hagelin, Executive Director, International Center for Invincible Defense.

An unexpected drop in crime last year, with homicide rates in some major U.S. cities plunging to levels not seen in four decades, and a rise in “peacefulness” in the nation are among the findings of the first-ever scientific demonstration project, now entering its fifth year, documenting the long-term peace-promoting effects of large group meditations on national trends in America.

The “Invincible America Assembly” was launched on July 23, 2006, at Maharishi University of Management in Fairfield, Iowa.

Dr. John Hagelin, executive director of the International Center for Invincible Defense and director of the Invincible America Assembly, predicted in advance of the start of the Assembly a significant drop in violent crime nationwide, and improved U.S. relations overseas. Dr. Hagelin’s predictions have been borne out by FBI Uniform Crime Reports and by an independent analysis of U.S. domestic and foreign policy trends.

As the Washington Post reported on May 25, 2010:

“The national violent crime rate had risen in 2005 and 2006 But crimes of violence began going down in 2007, falling 0.7 percent that year and then an additional 1.9 percent in 2008. The trend accelerated in 2009 with a 5.5 percent reduction in overall violent crime and a decrease of 8.1 percent in robberies, 4.2 percent in aggravated assaults and 3.1 percent in rapes.”

Reuters highlighted the dramatic and unexpected reductions in crime rates in 2009:

“Year-end statistics from the largest U.S. cities defy the predictions of many police commanders who braced for a crime wave they expected to be unleashed by the recession, rising home foreclosures and social despair.

“Last year turned out to be the safest on record in New York City, with the murder rate in the nation’s biggest metropolis plunging to its lowest level since the city began gathering comparable data in the early 1960s.

“Crime overall was down about 11 percent in New York and off 12 percent Chicago. The number of murders in Dallas fell for a second straight year in 2009 to its lowest mark since 1967.

“Los Angeles, the second-most populous U.S. city, posted its lowest crime rate in about 50 years, with violent crimes including homicide dropping nearly 11 percent from 2008 levels and property crimes down 8 percent for the same period. Homicides alone in Los Angeles dropped by 18 percent.

Global Peace Index shows rise in U.S. “peacefulness”

At the same time, according to the “Global Peace Index” (GPI) of the Institute for Economics and Peace, the U.S. experienced the biggest year-on-year improvement in peacefulness since 2007. (The GPI is composed of 23 qualitative and quantitative indicators, which combine internal and external factors ranging from military expenditure to relations with neighboring countries and levels of violent crime.)

“It is possible that reductions in homicide rates, armed robbery, assaults, and rapes—as well as an improvement in ‘peacefulness’ — might have occurred, individually, on their own. But the fact that all this good news began

when we launched our Assembly in July 2006—exactly as we predicted four years ago—is well beyond chance. It is the direct result of the coherence created by the Invincible America Assembly,” Dr. Hagelin said.

Positive influence of group meditations is immediate and profound

Extensive published research shows that coherence and positivity are created in collective consciousness when a small number of people practice Transcendental Meditation and its advanced Yogic Flying technique together in a group. This rise of positivity in collective consciousness reduces negative trends, including crime and violence, and improves economic trends.

“Rigorous statistical analysis shows that the upsurge of positive trends started on the month the Assembly began—July 2006—when an initial group of 1200 experts assembled from across the U.S. and around the world to practice these technologies in a group,” said Dr. Hagelin, who added that when the number of group meditation experts rises from its current average of 1850 to the desired level of 2500, America will rise to become a true powerhouse of peace.

“Twenty-five hundred is the number required to create a far more profound and comprehensive shift in these positive trends away from violence towards peace,” Dr. Hagelin said.

The Invincible America Assembly has been funded by a grant from the Howard and Alice Settle Foundation for an Invincible America.

India—the land of the Vedas has contributed to Invincible America Assembly by sending 1000 fully trained Maharishi Vedic Pundits. In addition to daily twice practice of TM and Sidhi programme, pundits also perform yagyas and graha shanty for the whole world.

MVM PRINCIPALS CONFERENCE 2010 - 11

It has been decided to hold 7 Day Annual Principal Conference in two batches. First Batch of Principals of Schools under Regional Office Bhopal, Jabalpur & Guwahati will be held from 13 November 2010 to 19 November 2010 and second batch of Principals of Schools under Regional Office Allahabad, Haridwar, Hyderabad & Kurukshetra will be held from 21 November 2010 to 27 November 2010.

Maharishi Vidya Mandir School branch inaugurated in Gondia, Maharashtra



A new branch of Maharishi Vidya Mandir School was inaugurated in Gondia, Maharashtra on 6 August 2010. Shri Rajendra Jain, Member of Parliament from Gondia Maharashtra, Brig. (Retd.) G. S. Sandhu, Director Personnel and Administration of MVM Schools Group, Mrs. Shruti Ohale, Principal MVM Bhandara and many other dignitaries were present at inaugural function.

Maharishi Regional Cultural Celebration 2010

Maharishi Regional Cultural Celebration 2010 were organised in the month of August 2010 at Allahabad Region, Bhopal Region, Guwahati Region, Haridwar Region, Jabalpur Region and Kurukshetra Region of Maharishi Vidya Mandir Schools Group.

This year Maharishi National Cultural Celebration 2010 will be held at MVM Hyderabad from 22nd Oct. 2010 to 24th Oct. 2010.

Photographs of Maharishi Regional Cultural Celebration 2010 (Haridwar Region)





Maharishi Vidya Mandir Schools Group

ACHIEVEMENTS OF MAHARISHI VIDYA MANDIR SCHOOLS

Academic Achievements - Academic Year 2009-2010

MVM JABALPUR - 1

Achievement class XII

- Radhika Gupta secured 94.2% • Mayank Gupta secured 93.2% • Prem Vaswani secured 90.8%
- Anu Kankane secured 90.2% • Chayan Sharma secured 90%

Achievement class X

Got 10 Points in English

- Ritu Khare • Avi Gupta • Shubharn Rai.

Got 10 Points in Hindi

- Ritu Khare • Urvarshi Rajput • Avi Gupta • Mayank Nema • Mayuri Prajapati • Manu Shrivastava • Saumya Vishwakarma • Shanika Patel • Yogita Singh • Umang Soni.

Got 10 Points in Sanskrit

- Divya Soni • Nandita Raghuvanshi • Nisha Kumari • Priyanka Nimbalkar • Shubharn Chourasia • Arnan Goleha • Shubharn Rai.

Got 10 Points in Maths

- Abhishek Korl • Avi Gupta • Manu Shrivastava • Yogita Singh • Divya soni • Nandita Raghuvanshi • Nisha Kumarl • Riya Mishra • Shubham Chourasia • Shubham Rai • Swapnil Yadav • Sourabh Paliwal • Abhinav Rathore • Kartik Pandey.

Got 10 Points in Social Studies

- Arnan Khare • Anushree Saxena • Ashwani Singh Thakur • Kartik Patewar • Khushboo Jethwa • Manisha Singh • Neelam Koshta • Nikita Chhabra • Somdeep Sandhu • Sourabh Paliwal • Avi Gupta • Anubhuti Diwedi • Chandresh Newal • Kartik Pandey • Mayank Nema • Saumya Vishwakarma • Shanika Patel • Yogita singh • Divya Soni • Nandita Raghuvanshi • Shubham Chourasia • Arnan Golchha • Shubham Rai.

Got 10 Points in Science

- Kartik Patewar • Avi Gupta • Abhinav Rathore • Mayank Nema • Saumya Vishwakarma • Shubham Rai.

ACHIEVEMENTS OF

MVM STUDENTS IN DIFFERENT COMPETITIVE EXAMS/ACTIVITIES

MVM JABALPUR - 1

IIT

- Saransh Sahu • Amit Koshtha • Ankit Machhaliwal • Ashwini Khare • Sushant Gotmare • Sahil Shrivastava
- Mayank Gupta • Anu Kankane.

ACHIEVEMENTS OF MVM STUDENTS IN SPORTS

MVM GUWAHATI - 1

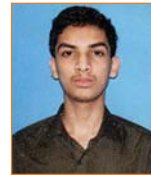
• **Sheikh Prince Khalid** Student of MVM Guwahati class VII, Participated in inter District aquatic meet on 4th to 6th June 2010. He secured 1st position in 100 m. Free Style, 1st position in 50 m. Butterfly, 1st position in 50 m. Free Style, 2nd position in 200m. Free Style.



Sheikh Prince Khalid

• **Nishant Sharma** Student of MVM Guwahati class X got 2nd position in a District Level Chess competition organised by **Guwahati Chess Association** from 29th July to 1st August 2010.

• **Banani Das** Student of MVM Guwahati class IX, participated in Sub Junior Rowing Championship held in Roorkee Uttarakhand from 28th May to 31st May. She was the Semi finalist against West Bengal. Banani was the only one who got selection for All Asia International Rowing Championship Organized by ASRA (Association of Rowing in Asia) held in Chennai from 27th July to 31st July and continued till fourth round.



Nishant Sharma



Banani Das

MVM ALIGARH (MAIN)



Vaibhav Sharma

महर्षि विद्या मंदिर सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल मुख्य शाखा आगरा रोड अलीगढ़ के छात्र **वैभव शर्मा** कक्षा ग्यारह, ने जूडो कराटे में अपनी प्रतिभा का जादू बिखेर रखा है, वैभव शर्मा ने सन् 2009 में 29 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में ताइक्वान्डो चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त वैभव शर्मा ने कई प्रतियोगिताओं में जूडो कराटे के शानदार प्रदर्शन कर कई पुरस्कार प्राप्त किये हैं। मई 2010 में एक समर कैम्प में वैभव शर्मा ने जूडो कराटे व मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वैभव शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को कुशल जूडो कराटे चैम्पियन बनाया।

ACHIEVEMENTS OF MVM STUDENTS IN NCC

Student of MVM Guwahati - 1, Gayatri Sharma class XII, selected for **YEP** (Youth Exchange Programme) of NCC. She has attended the Republic Day Camp (RDC) from junior wing and senior wing in the year 2006 and 2009 respectively. On record of her exceptional performance in NCC, she has been selected to visit Singapore in the month of December 2010.



Gayatri Sharma - Second from right

CELEBRATIONS

MVM RATANPUR

श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव



दिनांक 25.07.10 रविवार को महर्षि विद्या मंदिर, रतनपुर में श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव पारम्परिक विधि विधान से श्रद्धापूर्वक मनाया गया है। गुरु पूजन के पश्चात शिक्षकगण एवं छात्रों ने भावातीत ध्यान का अभ्यास किया। दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम के अगले चरण में वरिष्ठ शिक्षक श्री वी. के. सिंह एवं छात्र अनमोल शुक्ला ने इस पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला। भावातीत ध्यान एवं सिद्धि प्रशिक्षक श्रीमती विमला जोशी एवं श्री आर. एस. पटवारी ने भी इस विशेष

दिवस की महत्ता बताते हुए ब्रह्मलीन परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी के महान व्यक्तित्व एवं उनकी अगाध गुरु भक्ति को नमन किया। कार्यक्रम में सहभागिता के लिए विद्यालय की शैक्षणिक प्रभारी एवं वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती सीमा सरकार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

गुरु पूर्णिमा

आया पर्व गुरु पूर्णिमा का,
 लाया संदेश गुरु महिमा का।
 ज्ञान की ज्योति जिसने जलाई,
 जीवन की राह जिसने दिखाई,
 उस गुरु को नमन है।
 उस गुरु का अभिवादन है।
 माना जन्म दिया ईश्वर ने,
 माता-पिता ने पाला है।
 धरती माता ने हमको,
 खाने को दिया निवाला है।
 उन्नत नहीं हो सकते हैं हम,
 गुरु तेरे उपकारों से।
 तेरा ज्ञान प्रकाश नहीं कम,
 चाँद और सितारों से।
 उस गुरु को नमन है।
 उस गुरु का अभिवादन है।
 जीवन पथ हमारा जिसने किया रोशन,
 अपने दिव्य प्रकाश से।
 उस गुरु को कहना चाहते हैं हम,
 जय गुरुदेव पूर्ण श्रद्धा और विश्वास से।
 जय गुरुदेव जय गुरुदेव

जागृति अवस्थी
 कक्षा - 10^{वीं} नारायण सदन

MVM MAHARISHI NAGAR

INDEPENDENCE DAY CELEBRATION



The 64th Independence Day was celebrated in Maharishi Vidya Mandir, Maharishi Nagar. The pleasant morning began with the March Past by the seven contingents represented by the four houses namely Narayan, Parashar, Vashisht and Vyas House, the Band and the colourful contingents of the girls and boys under the supervision of **Shri Praveen Sharma (PTI)**.

The programme began with Guru Pujan. The **Chief Guest Shri C. D. Sharma (Director Education, MVM Group of Schools)**, Principal **Shri B. S. Guleria** and the teachers offered flowers on the lotus feet of Shri Guru Dev and His Holiness Maharishi Mahesh Yogi. The sub-junior group, students of class I and II presented an action song “**Nanha Munna Rahi Hoon**”. The audience appreciated the foot tapping number of these young soldiers and the future citizens of India.

Students of class IX and X presented the melodious song ‘**Vande Mataram**’, ‘**Azadi ki Khuli Hawa Mein Nikle Seena Taan Ke**’ and ‘**Ae Mere Pyaare Vatan**’. The group dance by the senior students ‘**Vande Mataram**’ enthralled the audience. Satirical play in Hindi ‘**Andher Nagri Chaupat Raja**’ presented by the junior students stressed on the imminent need of good governance.

The Chief Guest Shri C. D. Sharma in his erudite speech stressed on the essence of freedom and how present generation can restore the values needed to uplift the society. The guest of Honour **Shri U. C. Mishra** took the audience back in the memory lane of freedom struggle.

The Principal **Shri B. S. Guleria**, in his motivational lecture stressed that introspection is the need of the hour. He further added the expression of freedom should not be misused by the students and gave a strong message with his poem ‘**Koshish Karne Walon Ki Kabhi Haar Nahihn Hoti**’. Vote of thanks was given by **Mrs. Soma Chakraborty**. The Independence Day function ended with the sweet note of sweet distribution.





An achievement of Maharishi Vidya Mandir Schools Group

Ed – Leader International Roundtable was held from 1st – 4th August 2010 at City Montessori School, Lucknow with the help of Global Education USA. The main aim of conference is to develop of leadership potential of school directors and heads, as well as inspiration of teachers to bring about meaningful change in education. The Educationist, NGO heads and policy makers are likewise invited. There were Innovation Awards in three different categories.

The Categories of Awards:

1. Ed Leader **Innovative Fellowship** (100 numbers) it consists a certificate and a trophy with Cash of Rs.2001 each.
2. Ed Leadership **Innovation** Award (05 numbers) it consists a certificate and a trophy with a cheque of Rs.10000/- each.
3. Ed Leadership **Outstanding Contribution in Education** Award (02 numbers) it consists a certificate and a trophy with a cheque of Rs.25000/- each.

Nearly 540 participants from 18 different countries have participated in 4th Ed Leadership Roundtable.

Shri M. S. Solanki, Director (Academic & Training) represented Maharishi Shiksha Sansthan, Bhopal. He had given a presentation on his Innovative device to teach the validity of many theorems, axioms and problems of school geometry and known as “**SOLANKI’S MULTIPURPOSE MODEL – A practical way to learn Geometry**” on 4th Aug. 2010 in the International Auditorium of CMS.

As per the feedback received from the teachers, principals, directors and educators. It was an excellent and very useful device. He also gave different methods to make Joyful learning of Mathematics.

The selection team selected unanimously **Shri M. S. Solanki, Director** (Academic & Training) of Maharishi Shiksha Sansthan for the **highest** category of awards i.e. “**Ed Leadership Outstanding Contribution in Education Award-2010**” for his efforts, innovations, and contributions to make ‘Mathematics’ a very interesting subject. He was showered with the gifts, certificate, memento and a cheque of Rs. 25000/-. A NGO from Hyderabad has also awarded in this category.

It is a matter of great pride for the **Maharishi Shiksha Sansthan, India and Maharishi Vidya Mandir Schools Group.**

Shri Solanki said that he had invented this device to teach geometry nearly 25 years ago and he was regularly using it when he was Mathematics teacher in Kendriya Vidyalaya Sangathan. But real recognition came now, after joining Maharishi Shiksha Sansthan -Maharishi Vidya Mandir Schools Group.

Thus Shri Solanki is considering that it is all due to blessings of divine Shri Gurudev, His Holiness Maharishi Ji and regular practice of TM & Sidhi. He also expressed his thanks to Honourable Chairman Maharishi Vidya Mandir Schools Group Brahmachari Dr. Girish Ji and Dr. Jagdish Gandhi, Dr. Bharti Gandhi & their devoted team of CMS staff members who dared to organised such wonderful conference consecutive fourth year.

महर्षि ज्योतिष की दृष्टि में सितम्बर माह

सितम्बर माह का प्रारम्भ भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि से होगा तथा समाप्ति आश्विन कृष्ण पक्ष (पितृ पक्ष) की सप्तमी तिथि को होगा। सितम्बर माह का प्रथम दिन (1 सितम्बर) श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत के साथ प्रारम्भ हो रहा है। भगवान श्री कृष्ण का जन्म द्वापर युग में भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि बुधवार को रोहणी नक्षत्र में अर्धरात्रि के समय वृष के चन्द्रमा में हुआ था। इस वर्ष की जन्माष्टमी में ये सभी योग विद्यमान होने से इसकी संज्ञा 'जयन्ती' है।

भाद्रपद कृष्ण त्रयोदशी को प्रदोष व्रत सोमवार 6 सितम्बर को पड़ रहा है, विशेषता यह है कि इस "सोम प्रदोष" व्रत से महाफल मिलता है। 8 सितम्बर को भाद्रपद कृष्ण अमावस्या है, इसे 'कुशोत्पाटनी' या 'कुशग्रहणी' अमावस्या कहा जाता है। इस दिन उखाड़ी गयी कुशा पूरे वर्ष देव-पितृ कार्यों में वर्तने योग्य होती है। यह अमावस्या पूर्वाह्न में मानी जाती है। शास्त्र में

काशाः शरा दूर्वा यव गोधूम-बल्वजाः।

कुशाः सुवर्णं राजतं ताम्रं दश दर्भाः प्रकीर्तिताः॥- (कातीय सूत्र भाष्य)

अर्थ- 1. कुश 2. काश 3. शरपत 4. दूर्वा 5. जौ 6. गेहू 7. बगई के पौधे 8. सोना 9. चांदी 10. ताँबा दस प्रकार के कुश बतलाये हैं।

इसमें से प्रथम सात कुश तृण हैं। कुशोत्पाटनी अमावस्या का सम्बन्ध इन्ही तृण कुशों के संग्रह से है। इनमें जो मिल सके उन्ही को ग्रहण करे। जिस कुशा का मूल सुतीक्ष्ण हो, उसमें सात पत्ती हों, अग्रभाग कटा न हो और हरा हो, वह देव और पितृ दोनों कार्यों में उपयोग योग्य होती है। उसके लिये अमावस्या को दर्भ-स्थल में जाकर पूर्व या उत्तर मुख बैठे और-

विरन्विना सहोत्पन्न परमेष्ठिनिसर्गज।

नुद सर्वाणि पापानि दर्भं स्वस्ति करो भव॥ (ऊँ हूँ फट)

मन्त्र उच्चारण करके कुशाको दाहिने हाथ से उखाड़े, और इस प्रकार जितनी चाहिये ले आवे।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अवधि 9 सितम्बर से 23 सितम्बर तक रहेगी। इस पक्ष में बहुत से व्रत, पर्व, त्यौहार हैं, जिसमें विशेष उल्लेखनीय 'हरितालिका तीज' भाद्रपद शुक्ल तृतीया शनिवार 11 सितम्बर को है। यह स्त्री मात्र का प्रमुख व्रत है। शास्त्र में इस व्रत के लिये सधवा, विधवा, कुमारी सबको आज्ञा है। 11 सितम्बर को ही 'वरद गणेश चतुर्थी' है। इस दिन गणेश जी का मध्याह्न में जन्म हुआ था। इस दिन रात्रि में चन्द्र दर्शन करने से मिथ्या कलंक लग जाता है। उसके निवारण के निमित्त 'स्यमन्तक मणि' की कथा श्रवण करना आवश्यक है। इस दिन स्थान-स्थान पर गणेश प्रतिमा स्थापित करके ग्यारह दिनों तक चलने वाला महोत्सव आरम्भ होता है।

भाद्र शुक्ल दशमी शुक्रवार 17 सितम्बर को सर्वत्र विश्वकर्मा पूजन होगा। इसी दिन रात्रि 8:12 पर सूर्य भगवान सिंह राशि से कन्या राशि में जायेंगे, अतः यही समय वर्षा ऋतु के अन्त तथा शरद ऋतु के प्रारम्भ का है। शरद ऋतु की अवधि दो माह की है।

23 सितम्बर गुरुवार—भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से ही महालयारम्भ अर्थात् 'श्राद्ध पक्ष' या पितृपक्ष प्रारम्भ हो जायेगा।

भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा गुरुवार 23 सितम्बर से प्रारम्भ करके आश्विन कृष्ण अमावस्या गुरुवार 7 अक्टूबर तक पितृ पक्ष के सोलह दिन पितरों का तर्पण और विशेष तिथि को श्राद्ध अवश्य करना चाहिये। इस प्रकार करने से कर्ता पितर के ऋण से उऋण होकर, उत्कर्ष और विकास के पथ पर अग्रसर हो जाता है।

(सितम्बर माह में पड़ने वाले व्रत पर्व त्यौहारों की सूची)

क्रमांक	व्रत—पर्व—त्यौहार	मास	पक्ष	तिथि	दिनांक
1.	श्री कृष्ण जयन्ती व्रत	भाद्र	कृष्ण	अष्टमी	01.09.2010
2.	वैष्णवों का श्री कृष्ण जन्म व्रत	भाद्र	कृष्ण	नवमी	02.09.2010
3.	जया एकादशी व्रत	भाद्र	कृष्ण	एकादशी	04.09.2010
4.	गोवत्स द्वादशी	भाद्र	कृष्ण	द्वादशी	05.09.2010
5.	सोम प्रदोष व्रत	भाद्र	कृष्ण	त्रयोदशी	06.09.2010
6.	अघोर चतुर्दशी	भाद्र	कृष्ण	चतुर्दशी	07.09.2010
7.	कुशोत्पाटनी अमावस्या	भाद्र	कृष्ण	अमावस्या	08.09.2010
8.	मौन व्रत	भाद्र	शुक्ल	प्रतिपदा	09.09.2010
9.	हरितालिका तीज व्रत	भाद्र	शुक्ल	तृतीया	11.09.2010
10.	सिद्धि विनायक व्रत	भाद्र	शुक्ल	चतुर्थी	11.09.2010
11.	ऋषि पंचमी व्रत	भाद्र	शुक्ल	पंचमी	12.09.2010
12.	लोलार्क षष्ठी व्रत	भाद्र	शुक्ल	षष्ठी	13.09.2010
13.	सन्तान सप्तमी व्रत	भाद्र	शुक्ल	सप्तमी	14.09.2010
14.	मुक्ताभरण सप्तमी	भाद्र	शुक्ल	सप्तमी	14.09.2010
15.	श्री राधाष्टमी	भाद्र	शुक्ल	अष्टमी	15.09.2010
16.	दशावतार व्रत	भाद्र	शुक्ल	दशमी	15.09.2010
17.	विश्वकर्मा पूजा	भाद्र	शुक्ल	दशमी	17.09.2010
18.	कन्या राशि में सूर्य (संक्रान्ति)	भाद्र	शुक्ल	दशमी	17.09.2010
19.	पद्मा एकादशी (दोलग्यारस म.प्र.)	भाद्र	शुक्ल	एकादशी	19.09.2010
20.	महारविवार व्रत	भाद्र	शुक्ल	एकादशी	19.09.2010
21.	वामन द्वादशी	भाद्र	शुक्ल	द्वादशी	19.09.2010

22.	सोम प्रदोष व्रत	भाद्र	शुक्ल	त्रयोदशी	20.09.2010
23.	अनन्त चतुर्दशी व्रत	भाद्र	शुक्ल	चतुर्दशी	22.09.2010
24.	श्री उमा महेश्वर व्रत	भाद्र	शुक्ल	पूर्णिमा	23.09.2010
25.	महालया श्राद्ध पक्ष (पितृपक्ष)	भाद्र	शुक्ल	पूर्णिमा	23.09.2010
26.	प्रतिपद श्राद्ध	अश्विन	कृष्ण	प्रतिपदा	24.09.2010
27.	द्वितीया श्राद्ध	अश्विन	कृष्ण	द्वितीया	25.09.2010
28.	तृतीया श्राद्ध	अश्विन	कृष्ण	तृतीया	26.09.2010
29.	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत	अश्विन	कृष्ण	चतुर्थी	26.09.2010
30.	चतुर्थी श्राद्ध	अश्विन	कृष्ण	चतुर्थी	27.09.2010
31.	पंचमी श्राद्ध	अश्विन	कृष्ण	पंचमी	28.09.2010
32.	षष्ठी श्राद्ध	अश्विन	कृष्ण	षष्ठी	29.09.2010
33.	सप्तमी श्राद्ध	अश्विन	कृष्ण	सप्तमी	30.09.2010

पंचक विचार – दिनांक 20 सितम्बर दिन में 2:49 से प्रारम्भ होकर दिनांक 25 सितम्बर को दिन में 1:47 बजे पंचक समाप्त हो जायेगा।

मास प्रभाव – यह मास वैज्ञानिक, अन्वेषक, अनुसंधानशील, धर्मस, शिक्षक, बौद्धिक प्रतिभा वर्ग हेतु मनोत्साह वर्धक, शुभ फलद, दलित वर्ग, अल्पसंख्यक जनजाति पक्ष हेतु सुखद, अन्न, कीमती धातु, इमारती लकड़ी, मादक पदार्थों के दामों में तेजी का रुख रहेगा।

अतिवृष्टि – बाढ़, भूस्खलन से सामान्य जनकष्ट, आतंकी घटनाओं में निरंतर वृद्धि, राजनीतिज्ञों द्वारा भ्रष्टाचार तथा जनता धन का वन्दर बाँट। शरद ऋतु- (17 सितम्बर 2010 से) में सामान्य रूप से स्वास्थ्यप्रद दिनचर्या अपनाना उत्तम होगा।

ध्यान, सिद्धि, योग एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों से सत्व की वृद्धि संभावित है। नकारात्मकता में न्यूनता आयेगी।

जय गुरु देव, जय महर्षि

**पंडित विजय द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य**



Veda Series

श्री गणपति विघ्नविनायक



Shri Maha-Ganapati is the embodiment of buddhî-intellect and gyâna-the wisdom. Shri Ganapati is known to be bighnavinâshak, sankatnâshak-who prevents obstacles and problems from arising and brings all the problems and suffering to an end. Shri Ganapati being the son of Lord Shiva and Goddess Parvati inherits the multiple qualities and powers and has honour of first worship in all Vedic performances and rituals.

Shri Ganapati Sahasrânâm-1000 names describe 1000 qualities of Ganapati. Each name of Ganapati is full of significance; it refers to a quality of consciousness. Listening Sahasranâm enlivens these qualities of Ganapati in the consciousness of the listener and at the same time, these qualities are charged in the environment.

Shri Ganapati Ashtottar Shatnâmâvali has 108 names of Ganapati.

These names are a few of the most important qualities and may be chanted while offering dūrva or flowers to Ganapati.

Shri Sankashtanâshanam Stotra is a Siddha Stotra of Ganapati. As described in phalshruti - benefits of chanting Shri Ganapati Sahasranâm and other stotras of Ganapati, Devotees enjoy fruits of all knowledge, prosperity, prevention from problems and elimination of sin and suffering from their life. All latent powers-Riddhis and Siddhis are enlivened. Friday is the day of Ganapati. It is recommended to listen Sahasranam and other stotras of Ganapati on Friday.

श्री महागणपति बुद्धि और ज्ञान के अधिष्ठाता और दाता देवता हैं। विघ्नविनाशक और संकटनाशक के रूप में उनकी मान्यता है। वे समस्त विघ्नों और समस्याओं से बचाते हैं और उनका शमन भी करते हैं। श्री गणपति, श्री शिव-पार्वती के पुत्र होने के कारण अनेकानेक अतिरिक्त गुणों और अपार शक्ति के सागर हैं और सभी यज्ञ विधानों में प्रथम पूजा के पात्र हैं।

श्री गणपति सहस्रनाम, गणपति के 1000 गुण हैं। उनका प्रत्येक नाम चेतना के एक – एक गुण को दर्शाता है और अत्यन्त महिमाकारी है। सहस्रनाम का पाठ करने वाले या श्रवण करने वाले की चेतना में तथा वातावरण में गणपति जी के इन समस्त गुणों का जागरण होता है।

श्री गणपति अष्टोत्तर शतनामावली में गणपति जी के 108 नाम हैं। इन नामों के उच्चारण के साथ गणपति जी को पुष्प अथवा दूर्वा अर्पित कर सकते हैं। श्री संकष्टनाशन स्तोत्र एक सिद्ध स्तोत्र है।

फलश्रुति के अनुसार श्री गणपति सहस्रनाम तथा उनके स्तोत्रों के पाठ या श्रवण से उनके भक्त पूर्णज्ञान का फल तथा सम्पन्नता को प्राप्त करते हैं, उनके जीवन से समस्त पाप और दुःखों की समाप्ति होती है और ऋद्धि – सिद्धियों की प्राप्ति होती है। शुक्रवार गणपति जी का प्रिय दिवस माना गया है अतः शुक्रवार को गणपति जी के स्तोत्र और सहस्रनाम सुनने की अनुशंसा की जाती है।

Vedic Arts & Crafts Promotions

A-116, Defence Colony, New Delhi-110 024

• Phone: 011-24332207 • Fax: 011-24332206

• Website: www.vedic-arts.com • E-mail: vedicarts@mahaemail.com

Veda Series

Village-Chhan, Bhojpur Temple Road, Post-Misrod,

Distt.-Bhopal (M.P.) 462 047 INDIA

• Phone: 0755-4087351 • Fax: 0755-4087311

• Website: www.vedaseries.com • E-mail: edaseries@mahaemail.com

Maharishi Movement Global News

Consciousness - Based Education expanding in India

28 August 2010 - The number of schools and universities in India offering Consciousness-Based Education is increasing rapidly. Over 100,000 primary and secondary school students are enjoying the benefits of Consciousness-Based Education, under the leadership of Dr. Girish Chandra Varma. Dr. Varma is Director-General of the Maharishi Global Capital of World Peace at the centre of India and Chairman of the Maharishi Vidya Mandir Schools Group—overseeing the largest primary and secondary educational organization in India, with 151 schools in 17 states. All students practise the Transcendental Meditation Technique and over 40,000 also practise Yogic Flying.

A ‘jewel among worldwide pilgrimage sites’: Maharishi Samadhi Smarak rising in India

11 August 2010 - The Maharishi Samadhi Smarak, a beautiful memorial of Maharishi Mahesh Yogi’s gift of Total Knowledge and invincibility to the world, is rising as a ‘shining jewel’ among pilgrimage sites worldwide, said Dr Eike Hartmann, Minister of Architecture and City Planning of the Global Country of World Peace.

The Maharishi Samadhi Smarak in India features beautifully detailed construction

The Maharishi Samadhi Smarak under construction in India will be beautifully detailed—exterior and interior—featuring carved marble and sandstone pillars, marble floors, carved walls, and landscaped gardens and fountains. The building is designed as a memorial of Maharishi Mahesh Yogi’s gift of Total Knowledge and invincibility to the world.

Visitors to Maharishi Samadhi Smarak in India will also enjoy nearby Vedic Spa, hotel, hospital, homes, and Vedic Pandits

Visitors to the Maharishi Samadhi Smarak in India will also have opportunities nearby to enjoy a Maharishi Spa, Vedic hospital, Vedic Architecture homes, and the powerful peace-creating influence of Maharishi Vedic Pandits. The Maharishi Samadhi Smarak, currently under construction, will be a beautiful memorial of Maharishi Mahesh Yogi’s gift of Total Knowledge and invincibility to the world.

Nurses’ one-year certificate programme in Maharishi Ayur-Veda and women’s health offered online by US university

1 September 2010 - The School of Nursing and Health Professions at Brandman University in the United States is offering a new one-year certificate programme for nurses: Maharishi Ayur-Vedic Medicine Mother-Baby Health Care. The programme is being offered online as one of the university’s many professional programmes for working adults. Learning the Transcendental Meditation Programme is a prerequisite for other courses including: Good Health through Prevention; Self-Pulse Analysis for Good Health; Diet, Digestion, and Nutrition; and Maharishi Vedic Mother-Baby Health Care. The Transcendental Meditation course may also be taken for nurses’ Continuing Education Units.

Orthodox Rabbi speaks about his nine-year practice of Transcendental Meditation

1 September 2010 - Rabbi Abraham Shainberg first heard about Transcendental Meditation ten years ago. He learned the technique a year later, and has been meditating twice daily ever since. 'Transcendental Meditation is not a religion,' he says. 'It is a technique for you to go inwards and find your soul, find your silence, find your bliss as a human being . . . Looking back over all these years, I can say TM has led me to better prayer, better service, and to be a better Jew. I'm more on my path to God than ever.'

Inmates dive inward: The positive impact of Transcendental Meditation for prisoner rehabilitation

30 August 2010 - Tom O'Connor, Research Manager for the Oregon State Department of Corrections, discusses his views on inmate introspection and the positive impact of the Transcendental Meditation Programme on prisoner rehabilitation. Since the first study, conducted in 1971, a range of scientific research has shown that the practice of the Transcendental Meditation Technique can reduce prisoner recidivism while simultaneously developing psychological functioning and stability.

Bangalore, India: New admissions office opens for Computer Professionals Program at Maharishi University of Management, USA

27 August 2010 - The Computer Science Department at Maharishi University of Management in Fairfield, Iowa, USA, has opened a new Admissions Office in Bangalore, India. The office is managed by an MUM graduate, and is solely for students applying for the Computer Professionals Program (Master of Science in Computer Science) at the University in Fairfield. The programme is having good success placing curricular practical training students in US IT companies, indicating that the recession in the IT industry is coming to an end, says Dr Craig Shaw, director of recruiting for the Computer Professionals Program. The average starting salary of recently placed students is over \$60,000 (US) per year.

Japan: Yogic Flyers describe increased happiness, clarity, quality of life

27 August 2010 - Twenty people from throughout Asia recently gathered at the Spiritual Centre of Japan for a coherence-creating World Peace Assembly of Yogic Flyers and a course for those learning the programme. Participants reported a wide variety of benefits including reduced stress, greater happiness, increased clarity, and more energy.

Drought, fires ease in Russia following extended practise of Maharishi's technologies of consciousness

24 August 2010 - Extended practice of Transcendental Meditation and the Transcendental Meditation Sidhi Programme by groups of people in Russia contributed to alleviating the recent extreme heat, drought, and fires in Moscow, said a leader of the Global Country of World Peace: functioning from the level of their own Transcendental Consciousness, their group practice enlivened the field of total Natural Law, bringing the refreshing influence of rain to the whole area.

E-Gyan Monthly News Letter

Reminder

Dear Readers,

I am happy to release this 15th edition of E-Gyan Monthly Digital News Letter. Previous editions of E-Gyan have been published and circulated amongst you. In every edition of E-Gyan I am requesting you to send news from your relevant field. But we are not receiving enough news. Please start sending the news in either Hindi or English. **E-Gyan Monthly News Letter** will be released in the first week of every calendar month. E-Gyan matter must be received by 15th of every month.

E-Gyan Monthly Digital News Letter will be circulated to all members, employees, well wishers and students of all Maharishi Organizations in India and also to millions of Meditators, Sidhas, Governors, leaders and devotees of Maharishi Global Organisations around the Globe.

E-Gyan Monthly News Letter contains the following:

1. Courses currently run by Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
2. Information on any new course/programme added in Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
3. Present student strength course wise, subject wise, class wise, branch wise in different Maharishi Educational Institutions.
4. Announcement of any new course offering and its schedule with course details and venue.
5. Starting of new building construction, report on Bhumi puja or vastu puja or foundation stone ceremony.
6. Inauguration or graha pravesh or public offering of new building.
7. Special achievement of any Maharishi Organisation.
8. Special achievement of Staff or faculty of any Maharishi Educational Institution.
9. Special achievements or award received by Students in the field of academics, sports, arts, music, culture, language, general knowledge, quiz, talent search or any other competition on district, state, national and international level.
10. Report on NCC, NSS, Scouts, Adventure programme/trip.
11. High-level placement of graduates in national, international or multinational organisations/corporations.
12. Outstanding performance of ex-students.
13. Publication of any paper by Faculty, Students, Staff, research department or Organisation.
14. News coverage in local, state, national level newspapers, TV, radio, website.
15. Selection of students in civil services, IIM, IIT, PMT, IIT, NDA, IMA, IFS, IRS, Armed Force or in any other institution of national importance.
16. List of outstanding government or private special projects taken by the organisation.
17. Launching of new product with details, availability, and price.
18. Details of products already in market.
19. Creative writings on different topics, such as cultural/social and historical issues.

20. Offering Vedic solution to any social problem.
21. Performance of any special Anushtan or Yagyas.
22. Vedic celebration reports.
23. Excursion tour reports.
24. Corporate visit, corporate training etc.
25. Visit of national and international dignitaries and their remarks.
26. Appreciation, recognition or awards received by Maharishi Organisations.
27. Report on academic or commercial collaborations.
28. Report on Maharishi Vedic Organic Agriculture.
29. Report on monthly Initiations in TM, Sidhi course and Advance Techniques.
30. Report on activities of Maharishi Global Movement.
31. Report on any other similar subject or area, which is not covered here but worth reporting.

We invite news, articles and reports from all Maharishi Organisations, leaders, members, faculty, staff, students, meditators, Sidhas and all readers. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct. The writers of articles should send a note that the article is their original article.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through email (**egyan@mahaemail.com** and **egyanmonthly@gmail.com**) as word document file (or in a CD to Dr. T. C. Pathak, Maharishi Centre for Educational Excellence Campus, Building No-5, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal, Madhya Pradesh, PIN 462018). Hard copy should be neatly typed (“Times New Roman” font for English and “Devnagri” or “Chanakya” font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers.

Editorial Board of E-Gyan Monthly News Letter will not be responsible for any copyright issues of reports. Once a matter of false reporting comes to the Board, E-Gyan Monthly Newsletter will never publish reports of the sender in future and will inform it’s readers about this.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe E-Gyan Monthly Digital News Letter and to visit www.e-gyan.net web site.

With All the Best Wishes in Maharishi’s Third Year of Invincibility - Global Ram Raj.

Jai Guru Dev, Jai Maharishi

Dr. T.C. Pathak
For Editorial Board, E-Gyan Newsletter

Copyright © 2010 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan

All rights reserved. No part of E-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of **Maharishi Ved Vigyan Prakashan**.
Maharishi Ved Vigyan Prakashan, Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh, **Phone: +91 755 4087351**